SYLLABUS

FOR

M.A Hindi

Semester-I

Session: 2021-22

KHALSA COLLEGE AMRITSAR

(AN AUTONOMOUS COLLEGE)

Note: (i) Copy rights are reserved.
Nobody is allowed to print it in any form.
Defaulters will be prosecuted.

M.A Hindi
SYLLABUS
SEMESTER- I

Time: 3 Hrs. **Total Marks: 80**

Marks of Theory: 60

Marks of Internal Assessment: 20

प्रश्नपत्र–एक

आधुनिक हिन्दी काव्य : द्विवेदीयुगीन एवं छायावाद

व्याख्या एवं आलोचना के लिए
निर्धारित कवि तथा निर्धारित पाठ्य पुस्तके :

1. मैथिलीशरण गुप्त : साकेत, साहित्य सदन, झाँसी, 1988 (नवम सर्ग)
2. जयशंकर प्रसाद : कामायनी , भारती भण्डार, इलाहाबाद, 1971 (श्रद्धा लज्जा और आनन्द सर्ग)
3. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला : राग विराग, सम्पादक रामविलास शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1974 (राम की शक्तिपूजा, सरोज स्मृति, जागो फिर एक बार 1–2, जूही की कली, बांधो न नाव, कुकुरमुत्ता)

मैथिलीशरण गुप्त :

- 'साकेत' का महाकाव्यत्व
- नवम सर्ग का काव्य–वैभव
- मैथिलीशरण गुप्त का जीवन दर्शन
- 'साकेत' सांस्कृतिक आधार और युगीन आदर्श
- उर्मिला का चरित्र चित्रण

जयशंकर प्रसाद :

- कामायनी की अन्तर्वस्तु
- कामायनी : महाकाव्यत्व
- कामायनी : दार्शनिक पक्ष
- कामायनी : इतिहास और कल्पना
- कामायनी की रुपक योजना
- कामायनी की भाषा–शैली
- जयशंकर प्रसाद : जीवन व साहित्यिक परिचय

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला :

- निराला का जीवन–दर्शन
- छायावादी कवि निराला
- प्रगतिवादी कवि निराला
- प्रयोगधर्मी कवि निराला
- निराला का काव्य–सौन्दर्य
- राम की शक्ति पूजा : कथ्य और शिल्प
- सरोज स्मृति : कथ्य और शिल्प

विषयानुसार अंक विभाजन

1) प्रथम खण्ड में बारह प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से कोई दस प्रश्न करने होंगे प्रत्येक प्रश्न के दो अंक हैं।

10x2=20 अंक

2) द्वितीय खण्ड में उपभाग–क में चार प्रश्न सप्रसंग व्याख्या से सम्बधित पूछे जाएंगे, जिनमें से दो प्रश्नोत्तर करने होंगे।
उपभाग ख में छः प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से चार प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्नोत्तर के पाँच अंक हैं।

6x5=30 अंक

3) तृतीय खण्ड में दो प्रश्न पूछे जाएगे, जिनमें से कोई एक प्रश्न करना होगा।

10x1=10 अंक

सहायक पुस्तकें :

1. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि, डॉ श्रीनिवास शर्मा, तक्षशिला प्रकाशन , नई दिल्ली ।
2. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि, डॉ द्वारिका प्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा ।
3. 'साकेत' एक अध्ययन, नगेन्द्र नेशनल पब्लिलिग हाउस, दिल्ली ।
4. मैथिलीशरण गुप्त : एक मुल्याकंन, राजीव सक्सेना, हिन्दी बुक स्टोर, नई दिल्ली ।
5. मैथिलीशरण गुप्त : कवि और भारतीय संस्कृति के आख्याता, उमाकांत, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
6. 'साकेत' सुधा, रामस्वरूप दुबे, नारायण बुक डिपो, कानपुर ।
7. प्रिय प्रवास और साकेत की आदर्शगत तुलना, श्री वल्लव शर्मा, मंगल प्रकाशन, जयपुर।
8. कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन, डॉ द्वारिका प्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
9. मिथक और स्वरूप : कामायनी की मनसौंदर्य, सामाजिक भूमिका, रमेश कुंतल मेघ, ग्रंथम कानपुर।
10. कामायनी : मूल्यांकन और मूल्यांकन इंद्रनाथ मदान, नीलाभ प्रकाशन, इलाहाबाद ।
11. कामायनी : एक पुनर्विचार, गजानन, माधव मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
12. कामायनी के अध्ययन की समस्याएं, डॉ नगेन्द्र नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली ।
13. निराला की साहित्य साधना, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
14. क्रांतिकारी कवि निराला, बच्चन सिंह, हिन्दी प्रचारक, वाराणसी ।
15. काव्य–पुष्प निराला, जयनाथ नलिन, आलोक प्रकाशन, कुरूक्षेत्र।

M.A Hindi
SYLLABUS
SEMESTER- I

Time: 3 Hrs. **Total Marks: 80**

Marks of Theory: 60

Marks of Internal Assessment: 20

प्रश्नपत्र–दो

हिन्दी साहित्य का इतिहास (खण्ड–एक)

पाठ्य विषय :

भाग–क

- साहित्येतिहास, लेखन : अर्थ एवं अभिप्राय
- हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा।
- हिन्दी साहित्य का इतिहास : काल–विभाजन, सीमा –निर्धारण और नामकरण ।
- हिन्दी साहित्य का आरंभ कब, आदिकाल की पृष्ठभूमि, सिद्ध और नाथ–साहित्य, रासो–काव्य, जैन–साहित्य

भाग–ख

- हिन्दी साहित्य के आदिकाल का ऐतिहासिक परिदृश्य, साहित्यिक प्रवृत्तियां, काव्य धाराएं, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएं।
- पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, भक्ति आन्दोलन, विभिन्न काव्य धाराएं, तथा उनका वैशिष्ट्य।
- प्रमुख निर्गुण संत कवि और उनका अवदान।
- भारत में सूफी मत का विकास तथा प्रमुख सूफी कवि और काव्यग्रंथ ।
- राम और कृष्ण काव्य, रामकृष्ण काव्येतर काव्य, भक्तेतर काव्य, प्रमुख कवि और उनका रचनागत वैशिष्ट्य।
- उत्तरमध्यंकाल (रीतिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल सीमा, और नामकरण, रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएं, (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, और रीतिमुक्त) प्रवत्तियां और विशेषताएं, प्रतिनिधि रचनाकार और रचनाएं ।

विषयानुसार अंक विभाजन :

1) प्रथम खण्ड में से बारह प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से कोई दस प्रश्न करने होंगे। भाग क तथा भाग ख में समान अनुपात से प्रश्न पूछें जाएंगें। प्रत्येक प्रश्नोत्तर तीन–चार पंक्तियों में दिया जाए । प्रत्येक प्रश्न के दो (02) अंक निर्धारित हैं ।

10x2=20 अंक

2) द्वितीय खण्ड में भाग–ख में से आठ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से कोई छः प्रश्न करने होंगे प्रत्येक प्रश्न के पाँच अंक निर्धारित हैं।

6x5=30 अंक

3) तृतीय खण्ड में दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से कोई एक प्रश्न करना होंगा जिसके दस अंक होगें।

10x1=10 अंक

सहायक पुस्तकें :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास, सम्पादक डॉ. नगेन्द्र नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास दर्शन, आचार्य नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्र परिषद् पटना।
4. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, डॉ. रामकुमार वर्मा, रामनारायण बेणी माधव, इलाहाबाद ।
5. हिन्दी साहित्य का अतीत, भाग –1,2,3 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, ब्रह्मनाल, वाराणसी ।
6. हिन्दी साहित्य का बृहद् इतिहास –(भाग 1 से 16), नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।
7. हिन्दी साहित्य का इतिहास, हुकुमचंद राजपाल : विकास पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
8. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चन सिंह : राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।

M.A Hindi
SYLLABUS
SEMESTER- I

Time: 3 Hrs.

Total Marks: 80
Marks of Theory: 60
Marks of Internal Assessment: 20

प्रश्नपत्र–तीन
भारतीय काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

भारतीय काव्यशास्त्र :

भाग–क

काव्य	:	काव्य–लक्षण, काव्य तत्व तथा रस का स्वरूप के साथ रस के अंग काव्य– हेतु, काव्य – प्रयोजन, काव्य के प्रकार
रस–सम्प्रदाय	:	रस का स्वरूप, रस–निष्पत्ति, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा
अंलकार– सम्प्रदाय	:	परम्परा और मूल स्थापनाएं, अंलकारों का वर्गीकरण

भाग–ख

ध्वनि– सम्प्रदाय	:	ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि–सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएं, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद
वक्रोक्ति–सिद्धान्त	:	वक्रोक्ति की अवधारणा एवं मान्यताएं, वक्रोक्ति के भेद
औचित्य– सिद्धान्त	:	औचित्य से अभिप्राय, औचित्य का स्वरूप एवं भेद, प्रमुख स्थापनाएं, काव्य में औचित्य का स्थान एवं महत्व ।

भाग–ग

हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियां :

शास्त्रीय, तुलनात्मक, मनोविष्लेषणवादी, शैलीवैज्ञानिक और सामाजशास्त्रीय।

विषयानुसार अंक विभाजन :

1) प्रथम खण्ड में तीनों भागों में से समान अनुपात से बारह प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से कोई दस प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्नोत्तर तीन–चार पंक्तियों में दिया जाए । प्रत्येक प्रश्न के दो (02) अंक निर्धारित हैं । 10x2=20 अंक

2) द्वितीय खण्ड में भाग–क तथा भाग–ख में से समान अनुपात से आठ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से कोई छः प्रश्न करने होंगे प्रत्येक प्रश्न के पाँच अंक निर्धारित हैं।

6x5=30 अंक

3) तृतीय खण्ड में भाग–ग से दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से कोई एक प्रश्न करना होंगे जिसके दस अंक होगें। 10x1=10 अंक

सहायक पुस्तके :

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्रः देवेन्द्र नाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
2. आलोचना और आलोचनाः बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
3. हिन्दी समीक्षा : स्वरूप और संदर्भ : रामदरश मिश्र मैकमिलन कम्पनी, दिल्ली ।
4. आधुनिक हिन्दी समीक्षा : प्रकीर्णक से प्रद्वति तक , यदुनाथ सिंह, आर्य प्रकाशन मण्डल, दिल्ली।
5. हिन्दी आलोचना का इतिहास, मक्खन लाल शर्मा, शब्द और शब्द प्रकाशन, दिल्ली ।
6. भारतीय समीक्षा सिद्धान्त, सूर्य नारायण द्विवेदी, संजय बुक सैंटर, वाराणासी ।
7. भारतीय साहित्य दर्शन सत्यदेव चौधरी, साहित्य सदन, देहरादून।
8. भारतीय काव्य शास्त्र, भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
9. काव्य शास्त्र, भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
10. रस सिद्धान्त की दाशर्निक एवं नैतिक व्याख्याएं, तारकनाथ बाली विनोद पुस्तक मंदिर आगरा।

M.A Hindi
SYLLABUS
SEMESTER- I

Time: 3 Hrs.

Total Marks: 80
Marks of Theory: 60
Marks of Internal Assessment: 20

प्रश्नपत्र–चार
प्रयोजनमूलक हिन्दी

पाठ्य विषय :
कामकाजी हिन्दी

- हिन्दी के विभिन्न रूप – सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राज भाषा, माध्यम भाषा, मातृ भाषा ।
- कार्यालयी हिन्दी (राज भाषा) के प्रमुख प्रकार्य : प्रारूपण पत्रलेखन संक्षेपन, पल्लवन, टिप्पण ।
- पारिभाषिक शब्दावली– स्वरूप एवं महत्व, पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धान्त।
- ज्ञान विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रो की पारिभाषिक शब्दावली निर्धारित क्षेत्र बैक रेलवे कम्पयूटर और सामान्य प्रशासनिक शब्दावली (संलग्न)।
- हिन्दी कम्पयूटिग कम्पयूटर की आधारभूत व्यवहारिक जानकारी ।
- कम्पयूटर परिचय रूपरेखा उपयोग तथा क्षेत्र
- इंटरनेट सर्पक उपकरणो का परिचय प्रकार्यात्मक रख–रखाव एवं इंटरनेट समय मितव्ययिता के सूत्र ।
- वेब पब्लिशिंक
- इंटर एक्सप्लोरर अथवा नेटस्कोप, नेवीगेटर।

लिंग ब्राउजिंग ई–मेल भेजना प्राप्त करना, पुस्तक–हिन्दी के प्रमुख इंटनेट डाउनलोडिग व अपलोडिग हिन्दी साफटवियर पैकेज ।

नोट : परिभाषिक शब्दावली हेतु अनुशंयिक पुस्तक–हिन्दी भाषा प्रयोजनमूलकता एवं आयाम, वागीश प्रकाशन जालंधर। कार्यालयी टिप्पणियों के हिन्दी रूप सम्बन्धी शब्दावली पृ 73–76 तक कम्पयूटर शब्दावली पृ 144 से 147 तक।

विषयानुसार अंक विभाजन :

1) प्रथम खण्ड में परिभाषिक शब्दावली में से बीस 20 शब्द अग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद हेतु दिये जाएगें। इस खण्ड के कुलाक बीस 20 हैं।

10x2=20 अंक

2) द्वितीय खण्ड में आठ में से छः प्रश्न करने होगें । प्रत्येक प्रश्न के पाच अंक होगें ।

6x5=30 अंक

3) तृतीय खण्ड में दो में से एक प्रश्न करना होगा।

10x1=10 अंक

सहायक पुस्तकें

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी – विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्वान्त और प्रयोग, दंगल झाल्टे, विद्या विहार नई दिल्ली ।
3. राजभाषा विविध मणिक मृगेश वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली ।
4. ज्ञान शिखा (प्रयोजनमूलक हिन्दी विशेषांक) संपा डा सूर्य प्रसाद दीक्षित, हिन्दी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय प्रकाशन ।
5. अनुवाद प्रकिया डा रीता रानी पालीवार साहित्य निधि, दिल्ली ।
6. व्यावहारिक हिन्दी कैलाशचन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन दिल्ली ।
7. कम्पयूटर और हिन्दी डॉ हरि मोहन तक्षशिला नई दिल्ली ।
8. सक्षेपन और विस्तारण कैलाशचन्द्र भटिया सुमन सिह प्रभात प्रकाशन दिल्ली ।
9. प्रयोजनमूलक हिन्दी रघुनन्दन प्रसाद शर्मा विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
10. प्रयोजनमूलक हिन्दी रघुनन्दन प्रसाद शर्मा विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
11. प्रयोजनमूलक हिन्दी ,सरचना एव अनुप्रयोग डा रामप्रकाश, डा दिनेश गुप्ता राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली।
12. प्रयोजनमूलक व्यावीारिक हिन्दी डा ओमप्रकाश सिंहल जगतराम प्रकाशन दिल्ली ।
13. अनुवाद की व्यावहारिक समस्याएं भोलानाथ तिवारी/ ओमप्रकाश गााबा शब्द प्रकाशन दिल्ली ।
14. राजभाषा हिन्दी डा कैलाशचन्द्र भाटिया वाणी प्रकाशन दिल्ली ।
15. प्रशासनिक कार्यालय की हिन्दी डॉ रामप्रकाश/ डॉ दिनेश कुमार गुप्ता राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली।

16. व्यावहारिक हिन्दी डॉ रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव डॉ भोलानाथ तिवारी वाणी प्रकाशन दिल्ली ।

17. प्रयोजनमूलक हिन्दी, कमल कुमार बोस क्लासिकल पब्लिशिंग, नई दिल्ली ।

18. हिन्दी की मानक वर्तनी, डा कैलाशचन्द्र भाटिया, रचना भाटिया प्रभात प्रकाशन दिल्ली ।

19. कम्पयूटर प्रोग्रामिंग सिद्वांन्त और तकनीक, राजीव राजेन्द्र कुमार, साहित्य मंदिर, दिल्ली ।

20. प्रयोजनमूलक हिन्दी , डॉ राजनाथ भट्ट, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला।

M.A Hindi
SYLLABUS
SEMESTER- I

Time: 3 Hrs.

Total Marks: 80
Marks of Theory: 60
Marks of Internal Assessment: 20

प्रश्नपत्र–पाँच
हिन्दी नाटक ओर रंगमंच

व्याख्या एवं अध्ययन के लिए निर्धारित पुस्तकें:

1. अंधेर नगरीः भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली ।
2. धुवस्वामिनीः जयशंकर प्रसाद, प्रसाद प्रकाशन, वाराणसी ।
3. एक सत्य हरिश्चन्द्र, लक्ष्मी नारायण लाल, राजपाल एंड संस।

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र :
हिन्दी नाटक के विकास के विभिन्न चरण
भारतेन्दु का रंगमंच : सामर्थ्य और सीमाएं
पारसी रंगमंच, पृथ्वी थियेटर, नुक्कड नाटक, रेडियो नाटक

- भारतेन्दु की नाटक रचना
- अंधेर नगरी का मुख्य संदर्भ
- अंधेर नगरी में भारतेन्दु युगीन विसंगतियों की अभिव्यक्ति
- अंधेर नगरी में यथार्थ बोध
- अंधेर नगरी में व्यंग्य भाषा, शैली
- अंधेर नगरी का नाट्क शिल्प : प्रतीक

- जयशंकर प्रसाद : नाटक यात्रा में ध्रुवस्वामिनी का महत्वांकन

  ध्रुवस्वामिनी : इतिहास और कल्पना का योग

  ध्रुवस्वामिनी : राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक चेतना

  ध्रुवस्वामिनी : रंगमंचीयता

  ध्रुवस्वामिनीः पात्र परिकल्पना, गीत–योजना, भाषा–शैली

  ध्रुवस्वामिनी : ध्रवस्वामिनी का प्रबन्धकीय एवं राजनैतिक कौशल

- लक्ष्मीनारायण लाल : नाट्कयात्रा में एक सत्य हरिश्चन्द्र, का महत्वांकन

  एक सत्य हरिश्चन्द्र : शीर्षक की सार्थकता एवं प्रांसगिकता

  एक सत्य हरिश्चन्द्र : समस्या चित्रण

  एक सत्य हरिश्चन्द्र : अभिनेयता

  एक सत्य हरिश्चन्द्र : पात्र परिकल्पना

  एक सत्य हरिश्चन्द्र : गीत योजना, भाषा– शैली

विषयानुसार अंक विभाजन :

1) प्रथम खण्ड में बारह प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से कोई दस प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्नोत्तर तीन–चार पंक्तियों में दिया जाए । प्रत्येक प्रश्न के दो (02) अंक निर्धारित हैं ।

10x2=20 अंक

2) द्वितीय खण्ड में उपभाग–क में चार सप्रसंग व्याख्या के प्रश्न होगें। उपभाग–ख में छः में से चार प्रश्न करने होगें । प्रत्येक प्रश्न के पाँच अंक निर्धारित हैं।

6x5=30 अंक

3) तृतीय खण्ड में दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से कोई एक प्रश्न करना होगा जिसके दस अंक होंगे।

10x1=10 अंक

सहायक पुस्तकें :

1. भारतीय रंगमंच का विवेचनात्मक इतिहास , डॉ अज्ञात, पुस्तक संस्थान, कानपुर ।
2. पारसी हिन्दी रंगमंच, लक्ष्मी नारायण लाल, राजपाल एंड संस, दिल्ली।
3. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
4. नाटककार भारतेन्दु की रंग परिकल्पना, सत्येन्द्र तनेजा, भारतीय भाषा प्रकाशन, दिल्ली ।
5. प्रसाद के नाटकों का पुनर्मूल्यांकन, सिद्वनाथ कुमार, ग्रंथथम्, कानपुर।
6. लक्ष्मी नारायण लाल के नाटक और रंगमंच, दयाशंकर, पीताम्बर पब्लिशिंग, दिल्ली ।
7. लक्ष्मी नारायण लाल, रघुवंश, दिल्ली : लिपि प्रकाशन ।

M.A Hindi
SYLLABUS
SEMESTER- II

Time: 3 Hrs.

Total Marks: 80
Marks of Theory: 60
Marks of Internal Assessment: 20

प्रश्नपत्र–छह

आधुनिक हिन्दी काव्य : छायावादोत्तर काल

व्याख्या एवं आलोचना के लिए निर्धारित कवि

1. स. ही. वात्स्यायन अज्ञेय सम्पादक विद्या निवास मिश्र, राजपाल एंड संस दिल्ली 1993 (असाध्य वीणा, बावरा अहेरी, कितनी नावों में कितनी बार, नदी के द्वीप।
2. ग.मा. मुक्तिबोध : चाँद का मुँह टेढा है, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली, 1964 (अंधेरे में)
3. धूमिल : संसद से सड़क तक ।

(मोची राम, भाषा की एक रात, पटकथा)

स.ही. वात्स्यायन 'अज्ञेय'

- छायावादोतर काव्यांदोलन और अज्ञेय
- अज्ञेय की जीवन दृष्टि
- प्रयोगवादी कवि अज्ञेय
- अज्ञेय के काव्य की साहित्यिक विशेषताएं
- अज्ञेय की कविता का शिल्प–सौन्दर्य
- असाध्य वीणाः प्रतिपाद्य और शिल्प

ग.मा. मुक्तिबोध

- मुक्तिबोध : कवि और उसकी काव्य रचनाएं
- प्रतिबद्ध कवि मुक्तिबोध
- फेंटेसी का कवि मुक्तिबोध

- अंधेरे में कविता का कथ्य और शिल्प
- मुक्तिबोध की कविता का भावजगत ओर उनका कथ्य शिल्प

धूमिल

- जनवादी चेतना के कवि धूमिल
- साठोत्तरी हिन्दी कविता और धूमिल
- धूमिल की कविता में मानव–मूल्य
- धूमिल की कविता : आज के व्यक्ति का बिम्ब
- धूमिल की कविता : भाषा–शिल्प

विषयानुसार अंक विभाजन :

1) प्रथम खण्ड में बारह प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से कोई दस प्रश्न करने होंगे प्रत्येक प्रश्न के दो अंक हैं।

10x2=20 अंक

2) द्वितीय खण्ड में उपभाग–क में चार प्रश्न सप्रसंग व्याख्या से सम्बधित पूछे जाएंगे, जिनमें से दो प्रश्नोत्तर करने होंगे।
उपभाग ख में छः प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से चार प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्नोत्तर के पाँच अंक हैं।

6x5=30 अंक

3) तृतीय खण्ड में दो प्रश्न पूछे जाएगे, जिनमें से कोई एक प्रश्न करना होगा।

10x1=10 अंक

सहायक पुस्तकें :

1. धूमिल और उसका काव्य संघर्ष, डॉ. ब्रह्मदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
2. धूमिल : काव्य–यात्रा, मंजु अग्रवाल, ग्रन्थम, कानपुर।
3. समकालीन कविता और धूमिल डॉ. मंजुल उपाध्याय, अनामिका प्रकाशन इलाहाबाद।
4. नयी कविता के प्रमुख हस्ताक्षर, डॉ. सन्तोश कुमार तिवारी, जवाहर पुस्तकालय, मथुरा।
5. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या, रामस्वरूप चतुर्वेदी, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
6. अज्ञेय कवि, ओम प्रकाशन अवस्थी, ग्रंथम, कानपुर।
7. अज्ञेय, विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
8. अज्ञेय की कविता–एक मूल्यांकन चन्द्रकांत बादिवडेकर, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
9. मुक्तिबोध का साहित्य विवेक और उसकी कविता, लल्लन राय, मंथन पब्लिकेष्ण, रोहतक।
10. मुक्तिबोध : प्रतिबद्ध कला के प्रतीक , चंचल चौहान, पांडुलिपि प्रकाशन, दिल्ली।
11. गजानन माधव मुक्तिबोध : जीवन और काव्य, महेश भटनागर, राजेश प्रकाशन, दिल्ली।
12. मुक्तिबोध : विचारक कवि और कथाकार, सुरेन्द्र प्रताप, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
13. मुक्तिबोध की काव्यचेतना, हुकुमचंद राजपाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
14. मुक्तिबोध ज्ञान और संवेदना : नंद किशोर नवल, राज किशोर प्रकाशन, दिल्ली।
15. अज्ञेय की काव्य तितीषा, नंद किशोर आर्चाय, वाग्यदेवी प्रकाशन, दिल्ली ।
16. वाक्–संदर्ष, हरमोहन लाल सूद, पीयूष प्रकाशन, दिल्ली।
17. धूमिल और उसका काव्य संघर्ष, डॉ. ब्रह्मदेव मिश्र, लोकभारती, इलाहाबाद ।
18. श्री नरेश मेहता , दृश्य और दृष्टि, संपा प्रमोद त्रिवेदी, हिन्दी बुक सेंटर , दिल्ली।

M.A Hindi
SYLLABUS
SEMESTER- II

Time: 3 Hrs.

Total Marks: 80
Marks of Theory: 60
Marks of Internal Assessment: 20

प्रश्नपत्र–सात
हिन्दी साहित्य का इतिहास (खण्ड दो)

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र :

भाग– क

- आधुनिककाल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सास्कृतिक पृष्ठभूमि, सन् 1857 ई की राज्यक्रांति और पुनर्जागरण।
- भारतेन्दु युगः प्रमुख साहित्यकार रचनाएं और साहित्यिक विशेषताएं।
- द्विवेदी युग : प्रमुख साहित्यकार रचनाएं और साहित्यिक विशेषताएं।
- हिन्दी स्वच्छंदतावादी चेतना का अग्रिम विकास–छायावादी काव्यः प्रमुख साहित्यकार रचनाएं और साहित्यिक विशेषताएं।
- उत्तर छायावादी काव्य की विविध प्रवृत्तियां–प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, नवगीत समकालीन कविता । प्रमुख साहित्यकार और साहित्यिक विशेषताएं।

भाग– ख

- हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाओं (कहानी, उपनयास, नाटक, निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र जीवनी, आत्मकथा, रिपोर्ताज आदि) का विकास।
- हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास ।

विषयानुसार अंक विभाजन :

1) प्रथम खण्ड में भाग क मे से बारह प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से कोई दस प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के दो (02) अंक निर्धारित हैं ।

10x2=20

2) द्वितीय खण्ड में भाग–क तथा भाग–ख में से आठ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से कोई छः प्रश्न करने होंगे प्रत्येक प्रश्न का पाँच अंक निर्धारित है।

6x5=30

3) तृतीय खण्ड में भाग–क तथा भाग–ख में से एक एक प्रश्न पूछा जाएंगा, जिनमें से कोई एक प्रश्न करना होंगा जिसके दस अंक होगें।

10x1=10

सहायक पुस्तकें :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास, सम्पादक डॉ. नगेन्द्र , नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
2. साहित्य का इतिहास दर्शन, आचार्य नलिन विलोचन शर्मा, बिहारी राष्ट्र परिषद पटना।
3. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास डॉ. बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. हिन्दी साहित्य का बृहत इतिहास–(भाग 1 से 16) नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणासी।
5. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली।
6. भारतेन्दु मण्डल के समानान्तर और अपूरक मुरादाबाद मण्डल हरमोहन लाल सूद वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

M.A Hindi
SYLLABUS
SEMESTER- II

Time: 3 Hrs.

Total Marks: 80
Marks of Theory: 60
Marks of Internal Assessment: 20

प्रश्नपत्र–आठ
पाश्चात्य–काव्यशास्त्र

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र :

भाग–क

पाश्चात्य आलोचना का इतिहास : संक्षिप्त परिचयात्मक इतिहास

प्लेटो	:	काव्य सिद्धान्त, प्रत्ययवाद
अरस्तू	:	अनुकरण– सिद्धान्त, त्रासदी–विवेचन, विरेचन– सिद्धान्त
लोंजाइनस	:	उदात्त की अवधारणा और स्वरूपगत प्रकार्य

भाग–ख

मैथ्यू आर्नल्ड	:	आलोचना का स्वरूपगत प्रकार्य
आई.ए.रिचर्ड्स	:	संवेगो का सन्तुलन, व्यावहारिक आलोचना, काव्य भाषा।
इलियट	:	निर्वैयक्तिता का सिद्धान्त, परंपरा की अवधारणा।
सिद्धान्त और वाद	:	स्वच्छन्दतावाद, अभिव्यंजनावाद् माकर्सवाद, अस्तिववाद, संरचनावाद और आधुनिकतावाद।

विषयानुसार अंक विभाजन :

1) प्रथम खण्ड में भाग क तथा भाग ख में से बारह प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से कोई दस प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के दो (02) अंक निर्धारित हैं ।

10x2=20

2) द्वितीय खण्ड में भाग–क तथा भाग–ख में से आठ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से कोई छः प्रश्न करने होंगे प्रत्येक प्रश्न का पाँच अंक निर्धारित है।

6x5=30

3) तृतीय खण्ड में भाग–ख में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से कोई एक प्रश्न करना होंगा, जिसके दस अंक होगें।

10x1=10

सहायक पुस्तकें

1. पाश्चात्य समीक्षा का सिद्धान्त : मैथिली प्रसाद भारद्वाज, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ।
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
3. आलोचना और आलोचनाः बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
4. नई समीक्षा के प्रतिमान : सं. निर्मला जैन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा, सम्पा, नगेल्द्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली ।
6. पाश्चात्य और पौरस्त तुलनात्मक काव्यशास्त्र, राममूर्ति त्रिपाठी, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
7. पाश्चात्य समीक्षा : सिद्धान्त और वाद, डॉ. सत्यदेव मिश्र।

M.A Hindi
SYLLABUS
SEMESTER- II

Time: 3 Hrs.

Total Marks: 80
Marks of Theory: 60
Marks of Internal Assessment: 20

प्रश्नपत्र–नौ
मीडिया–लेखन

मीडिया – लेखन :

भाग–क

- पारिभाषिक शब्दावली
- **नोट :** परिभाषिक शब्दावली हेतु अनुशंयिक पुस्तक–हिन्दी भाषा प्रयोजनमूलकता एवं आयाम, वागीश प्रकाशन जालंधर। विभिन्न क्षेत्रो की पारिभाषिक शब्दावली पृ 222–226 तक ।

भाग–ख

- दूर संचार प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियां
- विभिन्न जनसंचार माध्यमो का स्वरूप : मुद्रण, श्रव्य, दृश्य–श्रव्य इंटरनेट।
- श्रव्य माध्यम (रेडियो)
- श्रव्य–दृश्य माध्यम (फिल्म, टेलीविजन, वीडियो) विज्ञापन लेखन, फीचर तथा रिपोर्ताज।

भाग–ग

- दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति। दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य । पार्श्व वाचन (वायस ओवर) । पटकथा लेखन । टेली ड्रामा /डॉक्यू ड्रामा , संवाद–लेखन।

साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों मे रूपांतरण । विज्ञापन की भाषा ।

- श्रव्य माध्यम (रेडियो) मौखिक भाषा की प्रकृति । समाचार वाचन एवं लेखन ।

रेडियो नाटक । उद्घोषणा लेखन। विज्ञापन लेखन। फीचर तथा रिपोर्ताज।

विषयानुसार अंक विभाजन :

1) प्रथम खण्ड में परिभाषिक शब्दावली में से बीस 20 शब्द अग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद हेतु दिये जाएगें। इस खण्ड के कुलाक बीस 20 हैं।

10x2=20

2) द्वितीय खण्ड में भाग–क तथा भाग–ख में से आठ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से कोई छः प्रश्न करने होंगे प्रत्येक प्रश्न का पाँच अंक निर्धारित है।

6x5=30

3) तृतीय खण्ड में भाग–क तथा भाग–ख में से एक एक प्रश्न पूछा जाएंगा, जिनमें से कोई एक प्रश्न करना होंगा जिसके दस अंक होगें।

10x1=10

सहायक पुस्तकें

1. जनसंचार माध्यमों में हिन्दी, चन्द्र कुमार, क्लासिकल पब्लिशिंग कम्पनी, नई दिल्ली ।
2. भारतीय प्रसारण माध्यम– डॉ. कृष्ण कुमार रत्तू, मंगदीप प्रकाशन, जयपुर।
3. उत्तर आधुनिक मीडिया तकनीक – हर्षदेव, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. भाषा और प्रौद्योगिकी, विनोद कुमार प्रसाद, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
5. पारिभाषिक शब्दावली हेतु अनुशंसिक पुस्तक–हिन्दी भाषा प्रयोजनमूलकता एवं आयाम, वागीश प्रकाशन, जालंधर । विभिन्न क्षेत्रो की पारिभाषिक शब्दावली पृ0 222 से 226 तक

M.A Hindi
SYLLABUS
SEMESTER- II

Time: 3 Hrs.
Total Marks: 80
Marks of Theory: 60
Marks of Internal Assessment: 20

प्रश्नपत्र–दस
नाटककार मोहन राकेश

व्याख्या के लिए निर्धारित नाटक :

1. आषाढ़ का एक दिन : राजपाल प्रकाशन, दिल्ली, 1958
2. लहरों के राजहंस : राजपाल प्रकाशन, दिल्ली, 1968
3. आधे अधूरे : राधाकृष्ण, दिल्ली, 1974

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र

1. नाटक : विधागत वैषिष्ट्य , तत्व तथा प्रकार
2. मोहन राकेश : व्यक्ति और नाटककार
3. मोहन राकेश की नाट्य–सृष्टि एवं नाट्य प्रयोग
4. मोहन राकेश रंगमंच के प्रबल समर्थ नाटककार
5. मोहन राकेश के नाटकों की मूल्य–चेतना
6. मोहन राकेश की नाट्यभाषा को योगदान

'आषाढ़ का एक दिन' : मोहन राकेश

1. आषाढ़ का एक दिन का नाट्यात्मक वैषिष्ट्य
2. आषाढ़ का एक दिन का प्रतिपाद्य और मुख्य समस्याएं
3. कालिदास का अन्तर्द्वन्द्व, पात्र–परियोजना, भाषा–शैली
4. आषाढ़ का एक दिन नाम की सार्थकता
5. आषाढ़ का एक दिन : रंगमंचीय सार्थकता

लहरो के राजहंस : मोहन राकेश

1. लहरों के राजहंस का नाट्यात्मक वैषिष्ट्य
2. लहरों के राजहंस : प्रतिपाद्य और मुख्य समस्याएं
3. लहरों के राजहंस : विचारधारा, और कथ्य–चेतना
4. लहरों के राजहंस : नाम की सार्थकता

5. लहरों के राजहंस : रंगमंचीयता।

आधे–अधूरे : मोहन राकेश

1. आधे–अधूरे का नाट्यात्मक वैषिष्ट्य
2. आधे–अधूरे : समकालीन मध्यवर्गीय जीवन का दस्तावेज
3. आधे–अधूरे : विचारधारा, भाषा और कथ्य–चेतना
4. आधे–अधूरे : नाम की सार्थकता
5. आधे–अधूरे : रंगमंचीयता एक नवीन नाट्य–प्रयोग

विषयानुसार अंक विभाजन :

1) प्रथम खण्ड में बारह प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से कोई दस प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के दो (02) अंक निर्धारित हैं ।

10x2=20

2) द्वितीय खण्ड में दो उपभाग हैं। उपभाग क में सप्रसंग व्याख्या सम्बन्धी चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से कोई दो प्रश्न करने होंगे प्रत्येक प्रश्न का पाँच अंक निर्धारित हैं। उपभाग ख में छः प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से कोई दो प्रश्न करने होंगे

6x5=30

3) तृतीय खण्ड में दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से कोई एक प्रश्न करना होंगा जिसके दस अंक होगें।

10x1=10

सहायक पुस्तकें

1. मोहन राकेश और उसके नाटक, डॉ. गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली ।
2. मोहन राकेश की रंग–सृष्टि, डॉ. जगदीश शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली।
3. नाटककार मोहन राकेश डॉ. तिलकराज शर्मा, आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली ।
4. आधुनिक नाटक का मसीह : मोहन राकेश, डॉ. गोविन्द चातक , इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली ।
5. आधे–अधूरे : समीक्षा, डॉ. राजेश शर्मा, आशोक प्रकाशन, नई दिल्ली ।
6. हिन्दी साहित्य में प्रतीक नाटक , डॉ. रामायण लाल , आशा प्रकाशन कानपुर।
7. मोहन राकेश, व्यक्तित्व तथा कृतित्व डॉ. सुषमा अग्रवाल, राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली।
8. हिन्दी रंगमंच वार्षिक, डॉ. शरद नागर, रंगभारती प्रकाशन, दिल्ली।
9. मोहन राकेश के नाटकों में मिथक और यथार्थ, डॉ. अनुपमा शर्मा, नचिकेता प्रकाशन, दिल्ली ।
10. हिन्दी नाटक का उद्‌भव और विकास, दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस, दिल्ली।
11. मोहन राकेश के नाटक, द्विजराय यादव, अशोक प्रकाशन दिल्ली।
12. लहरो के राजहंस : विविध आयाम, जयदेव तनेजा, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली ।
13. आषाढ़ का एक दिन : वस्तु और शिल्प , विश्वप्रकाशन बटुक दीक्षित, राजपाल पब्लिशर्ज, दिल्ली।
14. रंग शिल्पी : मोहन राकेश, नवनारायण राय, कादम्बरी, दिल्ली।
15. रंगमंच की भूमिका और हिन्दी नाटककार , रघुवरदयाल वार्ष्णेय, साहित्यलोक , कानपुर।
16. नाटककार मोहन राकेश : संवाद शिल्प , मदन लाल, दिनमान प्रकाशन, दिल्ली।
17. मोहन राकेश की कतियों में स्त्री–पुरूष सम्बन्ध , मिथिलेश गुप्ता, कृष्णा ब्रदर्स, दिल्ली।
18. साठोत्तरी हिन्दी नाटकों का रंग–मंचीय अध्ययन, राकेश वत्स, हिन्दी बुक सेंटर, दिल्ली।